


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 30, 2014/ माघ 10, 1935

No. 35]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 30, 2014/MAGHA 10, 1935

दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2014

सं. 1-सीए(7)/154/2014.—चार्टर्ड अकाउंटेंट्स विनियम, 1988 का और संशोधन करने के लिए कतिपय विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् बनाने का प्रस्ताव करती है, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 (1949 का 38) की धारा 30 की उप-धारा (3) की अपेक्षानुसार, ऐसे सभी व्यक्तियों की, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप विनियमों पर, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र की ऐसी प्रतियां, जिनमें इन प्रारूप विनियमों का प्रकाशन किया जाता है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालिस दिन की अवधि के अवसान के पश्चात् विचार किया जाएगा;

उक्त प्रारूप विनियमों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव प्रस्तुत करने के लिए इच्छुक कोई व्यक्ति, उसे इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, सचिव, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान, आईसीएआई भवन, इंद्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली - 110002 को संबोधित करते हुए भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् को अग्रेषित कर सकेगा;

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर उक्त प्रारूप विनियमों के संबंध में किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप या सुझाव पर परिषद् द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप विनियम

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (संशोधन) विनियम, 2014 है ।
(2) ये राजपत्र में इनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. चार्टर्ड अकाउंटेंट विनियम, 1988 में,—
 - (i) विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (भ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(भक) 'भारत का प्रवासी नागरिक (ओसीआई)' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 7क के अधीन भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) के रूप में रजिस्ट्रीकृत है" ;

(ii) विनियम 53ख के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"53ग. भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) का वृत्तिक अकाउंटेंट के रूप में नामांकन,—

(1) वृत्तिक लेखाकन अर्हता को धारण करने वाले भारत के किसी प्रवासी नागरिक (ओसीआई) को इन विनियमों की अनुसूची 'ख' में यथा सूचीबद्ध परीक्षा, प्रशिक्षण और अन्य माध्यमों को पूरा करने पर भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान के सदस्य के रूप में मान्यता प्रदान की जाएगी ।

(2) ऐसे ओसीआई को, उसके द्वारा इन विनियमों की अनुसूची 'ख' में यथा सूचीबद्ध निबंधनों और शर्तों को पूरा किए जाने पर व्यवसाय प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा ।"

(iii) "अनुसूची क" के पश्चात् निम्नलिखित "अनुसूची ख" अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

" अनुसूची ख"

भारत के प्रवासी नागरिकों का वृत्तिक अकाउंटेंटों के रूप में नामांकन करने के लिए स्कीम

1. संक्षिप्त नाम.—(क) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम 'भारत के प्रवासी नागरिकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ओसीआई कहा गया है) का वृत्तिक अकाउंटेंटों के रूप में नामांकन करने के लिए स्कीम' है ।

(ख) यह स्कीम ओसीआई चार्टर्ड अकाउंटेंट और प्रमाणित लोक अकाउंटेंट आवेदकों को व्यवसाय अधिकार प्रदान करने को सुकर बनाएगी ।

2. शिक्षा और प्रशिक्षण की स्कीम.—संस्थान की सदस्यता के लिए पात्र बनने हेतु चार्टर्ड अकाउंटेंट या प्रमाणित लोक अकाउंटेंट अर्हता रखने वाले भारत के किसी प्रवासी नागरिक से यह अपेक्षित होगा कि वह निम्नलिखित दो स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करे और साथ ही इस स्कीम के अन्य उपबंधों का अनुपालन करे :—

(i) प्रथम स्तर की परीक्षा,—

(क) इस परीक्षा के आवेदकों को दो प्रवर्गों में विभाजित किया जाएगा, अर्थात् अंग्रेजी और गैर-अंग्रेजी भाषा तथा आवेदकों के प्रत्येक वर्ग के लिए परीक्षा और प्रश्न पत्रों की अवधि नीचे दी गई सारणी के अनुसार होगी :—

सारणी

अंग्रेजी से भिन्न किसी भाषा में संबंधित चार्टर्ड अकाउंटेंसी या प्रमाणित लोक अकाउंटेंसी परीक्षा अर्हित करने वाले ओसीआई के लिए परीक्षा और प्रश्न-पत्रों की अवधि	अंग्रेजी भाषा में संबंधित चार्टर्ड अकाउंटेंसी या प्रमाणित लोक अकाउंटेंसी परीक्षा अर्हित करने वाले ओसीआई के लिए परीक्षा और प्रश्न-पत्रों की अवधि
अवधि : परीक्षा पांच घंटों की अवधि की होगी, जिसमें क्रमशः तीन घंटों और दो घंटों के दो सत्र होंगे और दो सत्रों के बीच अवकाश होगा ।	अवधि : परीक्षा चार घंटों की अवधि की होगी, जिसमें दो घंटों के दो सत्र होंगे और दो सत्रों के बीच अवकाश होगा ।
प्रश्न पत्र : किसी अभ्यर्थी की निम्नलिखित प्रश्न-पत्रों की परीक्षा ली जाएगी :— सत्र - 1 (तीन सेक्शन - तीन घंटे) (150 अंक) सेक्शन क : फंडामेंटल्स ऑफ इंकम टेक्स (50 अंक) सेक्शन ख : मर्केन्टाइल लॉज (50 अंक) सेक्शन ग : अंग्रेजी (50 अंक) सत्र - 2 (दो सेक्शन - दो घंटे) (100 अंक) सेक्शन घ : जनरल इकोनोमिक्स (50 अंक) सेक्शन ङ : क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड (50 अंक)	प्रश्न पत्र : किसी अभ्यर्थी की निम्नलिखित प्रश्न-पत्रों की परीक्षा ली जाएगी :— सत्र - 1 (दो सेक्शन - दो घंटे) (100 अंक) सेक्शन क : फंडामेंटल्स ऑफ इंकम टेक्स (50 अंक) सेक्शन ख : मर्केन्टाइल लॉज (50 अंक) सत्र - 2 (दो सेक्शन - दो घंटे) (100 अंक) सेक्शन घ : जनरल इकोनोमिक्स (50 अंक) सेक्शन ङ : क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड (50 अंक)

(ख) **अंक स्कीम.**—परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्मिलित होंगे, जिसमें गलत विकल्पों के लिए ऐसी रीति में, जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिश्चित की जाए, ऋणात्मक अंक दिए जाएंगे ।

(ग) **परीक्षा का समय और स्थान.**—(1) परीक्षा का संचालन वर्ष में एक बार परिषद् द्वारा विनिश्चित किए जाने वाले मास में किया जाएगा ।

(2) इस परीक्षा में न्यूनतम पचास अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे और पूरे देश में केवल एक परीक्षा केंद्र होगा ।

(घ) **उत्तीर्ण करने संबंधी अपेक्षाएं.**—किसी अभ्यर्थी के संबंध में उस समय यह कहा जाएगा कि उसने प्रथम स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, यदि वह एक ही बार में प्रत्येक विषय में न्यूनतम चालीस प्रतिशत और सभी विषयों में कुल मिलाकर पचास प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है ।

(ङ) **अध्ययन पाठ्यक्रम और सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण.**—दूसरे स्तर की परीक्षा में प्रवेश से पूर्व किसी अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह उस मास के, जिसमें परीक्षा का आयोजन किया जाता है, प्रथम दिवस से पूर्व ऐसी रीति में, जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिश्चित की जाए, नौ मास का अध्ययन पाठ्यक्रम और 100 घंटे का सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पूरा करे :

परंतु यदि कोई अभ्यर्थी, जो अपने मूल लेखांकन निकाय से अध्ययन बोर्ड के समाधानप्रद रूप में ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि उसने मूल निकाय की उपविधियों के अधीन समतुल्य पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है, तो उसे 100 घंटे के सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण से छूट प्रदान की जाएगी ।

(ii) **दूसरे स्तर की परीक्षा.**—यह परीक्षा दोनों प्रवर्गों, अर्थात् अंग्रेजी और गैर-अंग्रेजी भाषा के लिए एक समान होगी ।

(क) **परीक्षा में प्रवेश.**—ऐसा कोई अभ्यर्थी, जिसने प्रथम स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और साथ ही खंड (i) (ङ) की अपेक्षा का अनुपालन किया है, दूसरे स्तर की परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र होगा ।

(ख) **परीक्षा की अवधि.**—दूसरे स्तर की परीक्षा की अवधि तीन घंटे होगी ।

(ग) **प्रश्न पत्र.**—दूसरे स्तर की परीक्षा के लिए ऐसे कोई अभ्यर्थी की निम्नलिखित तीन प्रश्न पत्रों की परीक्षा ली जाएगी ।

क्रम सं.	प्रश्न-पत्र का नाम	अंक
1.	टेक्ससेशन (डायरेक्ट एंड इंडायरेक्ट टेक्स)	(60+40 = 100 अंक)
2.	एडवांस ऑडिटिंग एंड प्रोफेशनल इथिक्स	(100 अंक)
3.	कारपोरेट एंड एलाइड लाज़	(100 अंक)

(घ) **उत्तीर्ण करने संबंधी अपेक्षाएं.**—किसी अभ्यर्थी के संबंध में उस समय यह कहा जाएगा कि उसने दूसरे स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, यदि वह एक ही बार में प्रत्येक विषय में न्यूनतम चालीस प्रतिशत और सभी तीन विषयों में कुल मिलाकर पचास प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है ।

(ङ) **प्रयासों की संख्या.**—किसी अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह पांच प्रयासों में दूसरे स्तर की परीक्षा में उपसंजात होकर उसे उत्तीर्ण करे ।

3. **पाठ्यक्रम में प्रवेश और परीक्षा की फीस.**—प्रथम स्तर के पाठ्यक्रम, दूसरे स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने और इस स्कीम के अधीन आयोजित परीक्षाओं में उपसंजात होने के लिए कोई अभ्यर्थी, परिषद् द्वारा समय-समय पर नियत की जाने वाली फीस का संदाय करेगा ।

4. **स्कीम में प्रवेश और परीक्षा के लिए प्रारूप.**—इस स्कीम के अधीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश और आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए कोई अभ्यर्थी परिषद् द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किए जाने वाले प्रारूप में आवेदन करेगा ।

5. **अन्य अपेक्षाएं.**—संस्थान की सदस्यता के लिए आवेदन करने से पूर्व किसी ओसीआई आवेदक से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करे, अर्थात् :-

(क) **साधारण प्रबंध और संसूचना कौशल संबंधी पाठ्यक्रम.**—किसी अभ्यर्थी से, परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिश्चित की जाने वाली रीति में एक पन्द्रह दिवसीय साधारण प्रबंध और संसूचना कौशल संबंधी पाठ्यक्रम पूरा करने की अपेक्षा की जाएगी ।

(ख) व्यवहारिक प्रशिक्षण.—किसी अभ्यर्थी से, परिषद् द्वारा यथाविनिश्चित रूप में छह मास से छत्तीस मास तक की अवधि के लिए और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के अध्याय 6 के अधीन किसी आर्टिकल्ड सहायक के लिए यथाविहित रीति में और उसके मूल लेखांकन निकाय के माध्यम से प्रदान किए गए प्रशिक्षण की प्रकृति पर निर्भर करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपेक्षा की जाएगी :

परंतु अपने देश में व्यवसाय की अनुज्ञप्ति धारण करने वाले किसी प्रमाणित लोक अकाउंटेंट से परिषद् द्वारा यथाविनिश्चित रूप में अठारह मास से छत्तीस मास तक की अवधि के लिए उसके मूल लेखांकन निकाय के माध्यम से प्रदान किए गए प्रशिक्षण की प्रकृति पर निर्भर करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपेक्षा की जाएगी ।

6. व्यवसाय प्रमाणपत्र जारी करना.—कोई ओसीआई आवेदक व्यवसाय प्रमाणपत्र के लिए पात्र होगा और उसके द्वारा परस्पर क्रियाशील सत्र की प्रकृति की जांच परीक्षा पूरी करने पर उसे ऐसा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा ।

7. अपवर्जन सूची (यह संपूर्ण नहीं है).—जहां तक ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित नहीं की गई अर्हताओं का संबंध है, चाहे वे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए), प्रमाणित लोक अकाउंटेंट्स (सीपीए) प्रवर्ग के अधीन हों या नीचे दी गई अपवर्जन सूची के अधीन हों, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान, परिषद् के प्राधिकार के अधीन मामला-दस्-मामला आधार पर ऐसी अर्हताओं के संबंध में विचार करेगा ।

अपवर्जन सूची (यह संपूर्ण नहीं है)

- (1) सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (सीएमए)
- (2) चार्टर्ड इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स प्रोफेशनल्स
- (3) एसोसिएशन आफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स प्रोफेशनल्स
- (4) सर्टिफाइड ऑडिटर्स
- (5) सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स
- (6) कॉस्ट अकाउंटेंट्स
- (7) सर्टिफाइड जनरल अकाउंटेंट्स प्रोफेशनल्स
- (8) कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट्स
- (9) कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स

8. अन्य निबंधन और शर्तें.—किसी प्रवासी भारतीय नागरिक की संस्थान की सदस्यता निम्नलिखित और शर्तों के अधीन होगी, अर्थात् :—

- (i) आवेदक से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह स्कीम के अधीन सदस्यता के लिए पात्र होने से पूर्व वित्तीय वर्ष में एक सौ बयासी दिन के लिए भारत का निवासी होगा ।
- (ii) ओसीआई धारक आवेदक, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान को आवेदन करते समय और आईसीएआई की सदस्यता प्राप्त करने के पश्चात् अपने मूल लेखांकन निकाय की सदस्यता जारी रखेगा ताकि वह अपने वृत्तिक और नैतिक आचार पर अपना नियंत्रण बनाए रखे ।
- (iii) इस स्कीम के अधीन संस्थान के सदस्य के रूप में नामांकित कोई ओसीआई परिषद् या प्रादेशिक परिषद् के निर्वाचन में खड़ा होने या इन निर्वाचनों में मतदान करने के लिए पात्र नहीं होगा ।
- (iv) ऐसे किसी ओसीआई से, जिसे व्यवसाय प्रमाणपत्र (सीओपी) प्रदान किया गया है, यह अपेक्षा की जाएगी कि वह भारत में व्यवसाय के लिए भारत में एक स्थानीय भागीदार रखे ।
- (v) ऐसी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स फर्म पियर पुनर्विलोकन के अधीन होगी और प्रत्येक दो वर्ष में आईसीएआई से पियर पुनर्विलोकन का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगी ।
- (vi) इस स्कीम के कार्यान्वयन से पूर्व भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में किसी समय असफल रहने वाला कोई अभ्यर्थी इस स्कीम के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र नहीं होगा ।
- (vii) भारत का प्रवासी नागरिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 के उपबंधों के निबंधनानुसार भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान के अनुशासनिक तंत्र के अधीन होगा ।
- (viii) भारत का प्रवासी नागरिक, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 के और तद्धीन विरचित विनियमों और मार्गदर्शक

सिद्धांतों और साथ ही तत्समय प्रवृत्त भारत की अन्य लागू विधियों के निबंधनानुसार नैतिक संहिता और अन्य नैतिक अपेक्षाओं के भी अधीन होगा।

- (ix) ऐसे किसी ओसीआई से, जिसे इस स्कीम के अधीन सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है और जो व्यवसाय प्रमाणपत्र (सीओपी) धारण कर रहा है, यह अपेक्षा की जाएगी कि वह आईसीएआई की परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट निबंधनों के अनुसार सतत वृत्तिक शिक्षा (सीपीई) क्रेडिट घंटों की अपेक्षा को पूरा करे।
- (x) स्कीम के अधीन व्यवसाय प्रमाणपत्र (सीओपी) धारण करने वाले किसी सदस्य को ऐसी कोई अन्य अपेक्षा (अपेक्षाएं) भी, जब कभी संस्थान की परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, लागू होगी।
- (xi) इस स्कीम के अधीन किसी ओसीआई के लिए यह आवश्यक होगा कि उसका भारत में एक स्थायी पता हो और उसके पास भारत सरकार द्वारा जारी पेन कार्ड हो।
- (xii) आईसीएआई, आशयित ओसीआई आवेदकों के लिए केवाईसी (अपने ग्राहक को जाने) सन्नियमों के समान कोई ढांचा स्थापित कर सकता है और ऐसे सन्नियमों को अग्रिम में सभी आवेदकों की जानकारी में लाया जाएगा।

टी.कार्तिकेयन, सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./104/13]

टिप्पण :—मूल विनियमों को भारत के राजपत्र, असाधारण, तारीख 1 जून, 1988 में सं. 1-सीए(7)/134/88 तारीख 1 जून, 1988 के द्वारा प्रकाशित किया गया था और तत्पश्चात् निम्नलिखित संख्याओं द्वारा संशोधित किया गया था, अर्थात् :—

- (i) भारत के राजपत्र में तारीख 7 अक्टूबर, 1989 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/1/89
- (ii) भारत के राजपत्र में तारीख 19 जनवरी, 1991 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/10/90
- (iii) भारत के राजपत्र में तारीख 19 जनवरी, 1991 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/11/90
- (iv) भारत के राजपत्र में तारीख 23 फरवरी, 1991 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/12/91
- (v) भारत के राजपत्र में तारीख 2 फरवरी, 1991 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/13/90
- (vi) भारत के राजपत्र में तारीख 7 मार्च, 1992 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/19/92
- (vii) भारत के राजपत्र में तारीख 1 सितंबर, 1995 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/28/95
- (viii) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 13 मार्च, 1996 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/30/95
- (ix) भारत के राजपत्र में तारीख 16 अगस्त, 1997 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/31/97
- (x) भारत के राजपत्र में तारीख 26 फरवरी, 2000 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/44/99
- (xi) भारत के राजपत्र में तारीख 26 फरवरी, 2000 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/45/99
- (xii) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 17 अगस्त, 2001 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/51/2000
- (xiii) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 28 सितंबर, 2001 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/59/2001
- (xiv) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 31 मार्च, 2003 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/64/2002
- (xv) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 4 दिसंबर, 2003 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/64A/2002
- (xvi) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 28 जुलाई, 2005 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/83/2005
- (xvii) भारत के राजपत्र में तारीख 17 जून, 2006 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/84/2005
- (xviii) भारत के राजपत्र में तारीख 13 सितंबर, 2006 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/92/2006
- (xix) भारत के राजपत्र में तारीख 17 अगस्त, 2007 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/102/2007(अ)
- (xx) भारत के राजपत्र में तारीख 25 सितंबर, 2008 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/116/2008
- (xxi) भारत के राजपत्र में तारीख 3 दिसंबर, 2008 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/123/2008
- (xxii) भारत के राजपत्र, असाधारण में तारीख 1 अगस्त, 2012 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 1-सीए(7)/145/2012

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th January, 2014

No.1-CA(7)/154/2014.—The following draft of certain regulations further to amend the Chartered Accountants Regulations, 1988, which the Council of the Institute of Chartered Accountants of India proposes to make, is hereby published, as required by sub-section (3) of section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft regulations shall be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India, in which these draft regulations are published, are made available to the public;

Any person desiring to make any objection or suggestion in respect of the said draft regulations, may forward the same to the Council of the Institute of Chartered Accountants of India within the period so specified addressed to the Secretary, the Institute of Chartered Accountants of India, ICAI Bhawan, Indraprastha Marg, New Delhi-110 002;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft regulations before the expiry of the period so specified shall be taken into consideration by the Council.

Draft Regulations

1. (1) These regulations may be called the Chartered Accountants (Amendment) Regulations, 2014.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Chartered Accountants Regulations, 1988, -
 - (i) in regulation 2, in sub-regulation (1), after clause (x), the following clause shall be inserted, namely:—
“(x a) “Overseas Citizen of India (OCI)” means a person who is registered as Overseas Citizen of India (OCI) under section 7A of the Citizenship Act, 1955”;
 - (ii) after regulation 53B, the following regulation shall be inserted, namely:—

“53C. Enrolment of Overseas Citizen of India (OCI) Professional Accountants,—

(1) An overseas citizen of India (OCI) holding professional accountancy qualification shall be recognized as a member of the Institute of Chartered Accountants of India on completion of such examination, training and other modules as listed out in Schedule `B` to these regulations.

(2) The Certificate of Practice to such OCI shall be granted on fulfillment of terms and conditions as listed out in Schedule `B` to these regulations.”
 - (iii) after “Schedule A”, the following “Schedule B”, shall be inserted, namely:—

“Schedule B”

Scheme for enrolment of Overseas Citizen of India Professional Accountants

1. **Short title.**—(a) This scheme may be called the `Scheme for enrolment of Overseas Citizen of India (hereinafter referred to as OCI) Professional Accountants`.
- (b) The scheme shall facilitate opening up of practise rights to OCIs Chartered Accountants and Certified Public Accountants applicants.
2. **Scheme of Education and Training.**—In order to become eligible for membership of the Institute an Overseas Citizen of India having chartered accountant or certified public accountant qualification shall be required to pass the following two levels of test and also comply with the other provisions of this Scheme:—
 - (i) **First Level Test.**—
 - (a) The applicants for this test shall be divided into two categories, namely, English and non-English language and the duration of the test and papers for each category of applicants shall be as per table given herein below:—

Table

Duration of test and Papers for those OCI who have qualified respective Chartered Accountancy or Certified Public Accountancy examination in a language other than English	Duration of test and Papers for those OCI who have qualified respective Chartered Accountancy or Certified Public Accountancy examination in English language
Duration: The test shall be of five hours duration comprising of two sessions of three hours and two hours respectively with a break between two sessions.	Duration: The test shall be of four hours duration comprising of two sessions of two hours respectively with a break between two sessions.
Papers: A candidate shall be examined in the following papers:- Session – 1 (Three Sections – 3 Hours) [150 Marks] Section A: Fundamentals of Income Tax [50 marks] Section B: Mercantile Laws [50 marks] Section C: English [50 marks] Session-II – (Two Sections – 2 hours) [100 marks] Section D: General Economics [50 marks] Section E: Quantitative Aptitude [50 marks]	Papers: A candidate shall be examined in the following papers :— Session-1 (Two Sections – 2 Hours) [100 Marks] Section A: Fundamentals of Income Tax [50 marks] Section B: Mercantile Laws [50 marks] Session-II – (Two Sections – 2 hours) [100 marks] Section D: General Economics [50 marks] Section E: Quantitative Aptitude [50 marks]

- (b) **Marking Scheme.**—The test shall comprise of objective type questions with negative marking for choosing wrong options, in such manner as may be decided by the Council from time to time.
- (c) **Time and Place of Examination.**— (1) The Examination shall be conducted only once in a year in the month as may be decided by the Council.
- (2) There are a minimum of fifty candidates and there shall be only one examination centre for whole country.
- (d) **Passing requirements.**—A candidate shall be declared to have passed the First Level Test, if he secures at one sitting a minimum of forty per cent. marks in each subject and a minimum of fifty per cent. marks in aggregate of all the subjects.
- (e) **Study Course and Information Technology Training.**—Before admission to Second Level of Test, a candidate shall be required to complete a nine months study course prior to the first day of the month in which examination is held; and 100 hours Information Technology Training in such manner as may be decided by the Council from time to time:
- Provided that a candidate who produces a certificate from his parent accounting body to the satisfaction of Board of Studies that he has undergone an equivalent course under the bye-laws of that parent body, shall be exempted from undergoing the 100 hours Information Technology Training.
- (ii) **Second Level Test.**—This test shall be common for both the categories namely, English and non-English language candidates.
- (a) **Admission to the Test.**—A candidate who has passed the First Level Test and has also complied with the requirement of clause (i) (e), shall be eligible for admission to the Second Level Test.
- (b) **Duration of the Test.**—The Second Level Test shall be of three hours duration.
- (c) **Papers.**—A candidate for Second Level Test shall be examined in the following three papers, namely:—

S. No.	Names of Papers	Marks
1.	Taxation (Direct and Indirect Taxes)	[60+40= 100 Marks]
2.	Advance Auditing and Professional Ethics	[100 Marks]
3.	Corporate and Allied Laws	[100 Marks]

- (d) **Passing requirements.**—A candidate shall be declared to have passed the Second Level Test, if he secures at one sitting a minimum of forty per cent. marks in each subject and a minimum of fifty per cent marks in aggregate of all the three subjects.
- (e) **Number of attempts.**—A candidate is required to appear and pass the Second Level Test in five attempts and no candidate who has appeared and exhausted five attempts shall be eligible for any further attempt.
3. **Fee for admission to the Course and Examination.**—A candidate for admission to First Level Course, Second Level Course and for Examinations conducted under this scheme shall pay such fee as may be fixed by the Council from time to time.
4. **Form for admission to the Scheme and Examination.**—A candidate for admission to the Courses and the Examination conducted under this scheme shall apply in the form as may be approved by the Council from time to time.
5. **Other requirements. -** Before applying for the membership of the Institute, an OCI applicant shall be required to comply with the following requirements, namely:—
- (a) **Course on General Management and Communication Skills.**—A candidate shall be required to complete a fifteen days Course on General Management and Communications Skills in such manner as may be decided by the Council from time to time.
- (b) **Practical training.**—A candidate shall be required to undergo practical training for a period ranging from six months to thirty six months as may be decided by the Council and in the manner as prescribed for an articulated assistant under Chapter IV to the Chartered Accountants Regulations, 1988 depending on the nature of training provided through the scheme of his parent accounting body:
- Provided that a certified public accountants holding license to practice in his country shall be required to undergo practical training for a period ranging from eighteen months to thirty six months as may be decided by the Council depending on the nature of training provided through the scheme of his parent accounting body.
6. **Issuance of Certificate of Practice.**—An OCI applicant shall be eligible for Certificate of Practice and such Certificate shall be granted to him only after he undergoes a screening test in nature of interactive session.
7. **Exclusion List (Not Exhaustive).**—In regard to the qualifications not mentioned specifically above, either under the category of Chartered Accountants (CAs), Certified Public Accountants (CPAs) or exclusion list given below, the Institute of Chartered Accountants of India shall consider such qualifications on case to case basis under the authority of the Council.

Exclusion List (Not Exhaustive)

- (1) Certified Management Accountants (CMAs)
 - (2) Chartered Institute of Management Accountants' Professionals
 - (3) Association of Chartered Certified Accountants' Professionals
 - (4) Certified Auditors
 - (5) Certified Accountants
 - (6) Cost Accountants
 - (7) Certified General Accountants' Professionals
 - (8) Cost and Works Accountants
 - (9) Cost and Management Accountants
8. **Other terms and conditions.**—The membership of the Institute of an Overseas Citizens of India shall be subject to the following further conditions, namely:—
- (i) The applicant shall be required to be a resident in India for one hundred and eighty two days in the financial year before being eligible for membership under this Scheme.

- (ii) The OCI holder applicant, at the time of his application with the Institute of Chartered Accountants of India shall have and after getting membership with ICAI continue to retain the membership with the parent accountancy body so as to have control on his professional or ethical conduct.
- (iii) An OCI enrolled as a member of the Institute under this scheme shall not be eligible either to stand for election to the Council or Regional Council or to vote in these elections.
- (iv) An OCI who has been awarded the Certificate of Practice (COP) shall be required to have a local partner in India for practice in India.
- (v) The firm of such Chartered Accountants shall be subject to be peer reviewed and shall obtain certificate of Peer Review from ICAI in every two years.
- (vi) A candidate who has failed at any time in any of the examination conducted by the Institute of Chartered Accountants of India before implementation of this scheme, shall not be eligible for registration under this scheme.
- (vii) The overseas citizens of India shall be subject to disciplinary mechanism of the Institute of Chartered Accountants of India in terms of the provisions of the Chartered Accountants Act, 1949.
- (viii) The overseas citizens of India shall also be subject to code of ethics and other ethical requirements in terms of the Chartered Accountants Act, 1949, regulations and guidelines framed there under as well as in terms of other applicable laws of India for the time being in force.
- (ix) An OCI who has been enrolled as a member under this Scheme and holding Certificate of Practice (COP) shall be required to comply with Continuing Professional Education (CPE) credit hours requirements as per terms specified by the ICAI Council from time to time.
- (x) Any other requirement(s) as and when specified by the Council of the Institute shall also be applicable to an OCI member holding Certificate of Practice (COP) under the scheme.
- (xi) OCI under the scheme needs to have a permanent address in India and a PAN Card issued by the Government of India.
- (xii) ICAI reserves to put in place a framework akin to KYC (Know your client) norms for intending OCI applicants and such norms shall be made known to all the applicants in advance.

T. KARTHIKEYAN, Secy.

[ADVT. III/4/Exty. /104/13]

Note :—The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st June, 1988 vide number 1-CA(7)/134/88 dated 1st June, 1988 and subsequently amended by the following numbers, namely:—

- (i) Notification No.1-CA(7)/1/89 published in the Gazette of India, dated the 7th October, 1989
- (ii) Notification No.1-CA(7)/10/90 published in the Gazette of India, dated the 19th January, 1991
- (iii) Notification No.1-CA(7)/11/90 published in the Gazette of India, dated the 19th January, 1991
- (iv) Notification No.1-CA(7)/12/91 published in the Gazette of India, dated the 23rd February, 1991
- (v) Notification No.1-CA(7)/13/90 published in the Gazette of India, dated the 2nd February, 1991
- (vi) Notification No.1-CA(7)/19/92 published in the Gazette of India, dated the 7th March, 1992.
- (vii) Notification No.1-CA(7)/28/95 published in the Gazette of India dated the 1st September, 1995
- (viii) Notification No.1-CA(7)/30/95 published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 13th March, 1996
- (ix) Notification No. 1-CA(7)/31/97 published in the Gazette of India, dated the 16th August, 1997
- (x) Notification No. 1-CA(7)/44/99 published in the Gazette of India dated the 26th February, 2000
- (xi) Notification No.1-CA(7)/45/99 published in the Gazette of India, dated the 26th February, 2000
- (xii) Notification No.1-CA(7)/51/2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, dated the 17th August, 2001
- (xiii) Notification No.1-CA(7)/59/2001 published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 28th September, 2001

-
- (xiv) Notification No.1-CA(7)/64/2002 published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 31st March, 2003
 - (xv) Notification No.1-CA(7)/64A/2003 published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 4th December, 2003
 - (xvi) Notification No.1-CA(7)/83/2005 published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 28th July, 2005
 - (xvii) Notification No.1-CA(7)/84/2005 published in the Gazette of India, dated the 17th June, 2006
 - (xviii) Notification No. 1-CA(7)/92/2006 published in the Gazette of India, dated the 13th September, 2006
 - (xix) Notification No. 1-CA(7)/102/2007(E) published in the Gazette of India, dated the 17th August, 2007
 - (xx) Notification No.1-CA(7)/116/2008 published in the Gazette of India, dated the 25th September, 2008
 - (xxi) Notification No.1-CA(7)/123/2008 published in the Gazette of India, dated the 3rd December, 2008
 - (xxii) Notification No. 1-CA(7)/145/2012 published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 1st August, 2012